RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
फरवरी
11
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

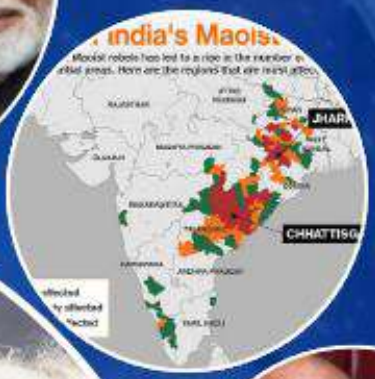

By Ankit Avasthi Sir

गवर्नमेंट सिक्योरिटीज पर फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट की अनुमति / Forward trading in govt securities

संदर्भ:

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने **गवर्नमेंट सिक्योरिटीज (G-secs)** पर **फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट** की अनुमति देने का फैसला किया है। यह कदम **बाजार के विकास** को बढ़ावा देने और **वित्तीय संस्थानों को ब्याज दर जोखिम से बचाव (hedging)** में मदद करने के लिए उठाया गया है।

फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट्स और सरकारी प्रतिभूतियों में व्यापार:

- लंबी अवधि के निवेशकों (जैसे बीमा फंड) को ब्याज दर चक्रों में जोखिम प्रबंधन की सुविधा मिलेगी।
- बॉन्ड-आधारित डेरिवेटिव्स की मूल्य निर्धारण प्रक्रिया अधिक प्रभावी होगी।

फॉरवर्ड ट्रेडिंग इन गवर्नमेंट सिक्योरिटीज (G-secs):

- फॉरवर्ड ट्रेडिंग में निवेशक एक पूर्व निर्धारित मूल्य पर भविष्य की तारीख में सरकारी प्रतिभूतियों (G-secs) को खरीदने या बेचने का अनुबंध करते हैं।
- यह ब्याज दर में उतार-चढ़ाव से बचाव (Hedging) और G-secs के भविष्य के मूल्य परिवर्तनों पर सट्टा लगाने (Speculation) में मदद करता है।

फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट क्या है?

- **यह दो पक्षों के बीच एक समझौता है**, जिसमें एक पूर्व निर्धारित तिथि पर एक निश्चित कीमत पर किसी संपत्ति (Asset) को खरीदने या बेचने की प्रतिबद्धता होती है।
- **दोनों पक्ष अनुबंध की शर्तों को पूरा करने के लिए बाध्य होते हैं।**

मुख्य विशेषताएँ:

- **गैर-मानकीकृत (Non-Standardized):**
  - फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट **विभिन्न लेनदेन के अनुसार भिन्न हो सकता है।**
  - इसे **संपत्ति, समाप्ति तिथि (Expiry Date), और व्यापार की मात्रा** के अनुसार अनुकूलित किया जा सकता है।

प्रमुख उपयोग:

- मुख्य रूप से **वस्तु बाजार (Commodity Markets) में व्यापार** के लिए प्रयोग होता है।
- **विदेशी मुद्रा (Forex) व्यापार** के लिए भी एक लोकप्रिय उपकरण है।

सरकारी प्रतिभूतियाँ (Government Securities - G-Secs)

परिभाषा:

- G-Secs एक ऋण साधन (Debt Instrument) हैं, जिनके माध्यम से सरकार जनता से उधार लेकर अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करती है।
- ये भारतीय सरकार द्वारा समर्थित होने के कारण जोखिम-मुक्त (Risk-Free) निवेश माने जाते हैं।

भूमिका और महत्व:

- निश्चित आय (Fixed-Income) बाजार में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं।
- सरकारी प्रतिभूति बाजार में आसानी से कारोबार किया जा सकता है।

उद्देश्य: सरकार वित्तीय खर्चों को पूरा करने, बजट घाटे की भरपाई करने, और बुनियादी ढांचे एवं समग्र विकास परियोजनाओं में निवेश करने के लिए G-Secs जारी करती है।

कार्यप्रणाली:

- **अन्य ऋण साधनों की तरह कार्य करते हैं।**
- निवेशक सरकार को धन उधार देता है और बदले में उसे **नियत अंतराल पर ब्याज** प्राप्त होता है।
- **परिपक्वता (Maturity) पूरी होने पर निवेशक को मूलधन वापस मिलता है।**

ब्याज दर डेरिवेटिव्स और सरकारी प्रतिभूतियों में सुधार:

1. ब्याज दर जोखिम प्रबंधन के लिए विस्तृत उत्पाद उपलब्ध:

- ब्याज दर स्वैप (Interest Rate Swaps)
- ब्याज दर ऑप्शंस (Interest Rate Options)
- ब्याज दर फ्यूचर्स (Interest Rate Futures)
- ब्याज दर स्वैप्शन (Interest Rate Swaptions)
- फॉरवर्ड रेट एग्रीमेंट्स (FRA)

2. जीवन बीमा कंपनियों (Life Insurers) द्वारा उपयोग:

- वर्तमान में, वे **FRA और पार्टली पेड बॉन्ड्स** का उपयोग हेजिंग के लिए करते हैं।
- **G-Secs में फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट्स की शुरुआत**, उनके लिए **हेजिंग के और अधिक साधन** उपलब्ध कराएगी।

3. NDS-OM (Negotiated Dealing System – Order Matching) तक गैर-बैंक दलालों की पहुंच:

- SEBI पंजीकृत गैर-बैंक दलाल (Non-Bank Brokers) अब NDS-OM तक सीधे पहुंच सकते हैं।
- यह RBI द्वारा निर्धारित नियमों और शर्तों के अधीन होगा।
- NDS-OM एक इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म है, जो सरकारी प्रतिभूतियों के द्वितीयक बाजार लेनदेन को सुविधाजनक बनाता है।

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह का इस्तीफा / Manipur CM N Biren Singh Resign

संदर्भ:

मणिपुर के मुख्यमंत्री **एन. बीरेन सिंह** ने अपना **इस्तीफा गवर्नर अजय कुमार भल्ला** को सौंप दिया, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। गवर्नर ने **बीरेन सिंह को कार्यवाहक मुख्यमंत्री** के रूप में पद संभालने के लिए कहा है।

- मणिपुर में **21 महीने से कुकी-मैतेई समुदाय के बीच जारी हिंसा** के कारण मुख्यमंत्री **एन. बीरेन सिंह** पर जबरदस्त दबाव था।

मणिपुर हिंसा: कैसे शुरू हुई और वर्तमान स्थिति

- **हिंसा की शुरुआत (मई 2023):**
  - **मणिपुर उच्च न्यायालय** ने **मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (ST)** सूची में शामिल करने पर विचार करने का निर्देश दिया।
  - आदिवासी छात्र संघ (ATS) ने इसके विरोध में रैली आयोजित की, जिससे **मैतेई और कुकी समुदायों के बीच संघर्ष भड़क गया।**
- **जातीय संघर्ष और परिणाम:**
  - **घाटी क्षेत्र:** मैतेई समुदाय का नियंत्रण।
  - **पहाड़ी क्षेत्र:** कुकी समुदाय का दबदबा।
  - **संघर्ष के कारण:** आरक्षण और सरकारी अनुदान को लेकर विवाद।
  - **हिंसा में:**
    - 250+ लोगों की मौत।
    - 60,000+ लोग बेघर हुए।
    - कई जिलों में कर्फ्यू और इंटरनेट सेवाएं बंद।
- **2024 के अंत में स्थिति:**
  - जिरीबाम में 6 शव मिलने के बाद विरोध प्रदर्शन तेज।
  - स्थिति को काबू में लाने के लिए सुरक्षाबलों की तैनाती बढ़ाई गई।

मुख्यमंत्री:

- मुख्यमंत्री की स्थिति केंद्र में प्रधानमंत्री के समान होती है।
- **संविधानिक प्रावधान:**
  - **अनुच्छेद 163:** मंत्रिपरिषद राज्यपाल की सहायता और सलाह देगी।
  - **अनुच्छेद 164:** मुख्यमंत्री की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाएगी।
- **संसदीय प्रणाली में मुख्यमंत्री की भूमिका:**
  - वास्तविक कार्यकारी (De facto executive) मुख्यमंत्री होते हैं।
  - राज्यपाल केवल औपचारिक प्रमुख (Nominal; De jure executive) होते हैं।
  - मुख्यमंत्री सरकार का प्रमुख होता है, जबकि राज्यपाल राज्य का प्रमुख होता है।

मुख्यमंत्री की नियुक्ति प्रक्रिया

संवैधानिक प्रावधान:

अनुच्छेद 164: राज्यपाल मुख्यमंत्री की नियुक्ति करेगा।

- लेकिन राज्यपाल **स्वतंत्र रूप से किसी को भी मुख्यमंत्री नियुक्त नहीं कर सकते।**

संसदीय परंपरा: राज्यपाल को विधानसभा में बहुमत प्राप्त दल के नेता को मुख्यमंत्री नियुक्त करना होता है।

मुख्यमंत्री का कार्यकाल: शपथ, अवधि और वेतन

शपथ ग्रहण:

- राज्यपाल मुख्यमंत्री को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाते हैं।

कार्यकाल:

- मुख्यमंत्री का **कार्यकाल निश्चित** नहीं होता।
- **वह राज्यपाल की इच्छा पर पद पर बना रहता है,** लेकिन **जब तक विधानसभा में बहुमत है, तब तक उसे हटाया नहीं जा सकता।**

विश्वास मत और बर्खास्तगी:

- यदि मुख्यमंत्री **विधानसभा का विश्वास (बहुमत) खो देता है,** तो उसे **इस्तीफा देना होगा** या राज्यपाल उसे **बर्खास्त कर सकते हैं।**

यूरेशियन ऊदबिलाव / Eurasian Otters

संदर्भ:

कश्मीर की **गुरेज़ घाटी** में **यूरेशियन ऊदबिलाव (Eurasian Otters)** की फिर से उपस्थिति दर्ज की गई है, जो एक महत्वपूर्ण **पर्यावरणीय विकास** का संकेत है। एक समय पर **लगभग विलुप्त माने जाने वाले** ये ऊदबिलाव **दशकों बाद फिर से देखे गए हैं।**

यूरोएशियाई ऊदबिलाव (Eurasian Otter) का कश्मीर में पतन:

- 1990 के दशक के अंत तक **कश्मीर की नदियों और धाराओं** में आम पाए जाते थे।
- **1997 के बाद इनकी** उपस्थिति दुर्लभ हो गई।
- **संभावित कारण:**
  - आवासीय क्षति (Habitat Loss)
  - कीटनाशकों का उपयोग (Pesticide Use)
  - शिकार (Poaching)
- इनकी घटती संख्या पर वन्यजीव प्रेमियों और स्थानीय लोगों ने चिंता जताई।

यूरोएशियाई ऊदबिलाव (Eurasian Otter) के बारे में:

- **परिचय:**
  - **एक अर्ध-जलीय स्तनपायी** (Semi-aquatic mammal) जो यूरेशिया (Eurasia) का मूल निवासी है।
  - इसका **घना और जल-प्रतिरोधी फर ठंडे पानी में** इन्सुलेशन प्रदान करता है।
- **अनुकूलन (Adaptations):**
  - **झिल्लीदार पैर (Webbed Feet)** – तैरने के लिए।
  - **सुचिकाय शरीर (Streamlined Body)** – पानी में आसानी से गति के लिए।
  - **मजबूत पूंछ (Muscular Tail)** – जल में धक्का देने के लिए।
- **आवास (Habitat):**
  - यूरोप, उत्तर अमेरिका और एशिया के कुछ हिस्सों में।
  - **भारत में पुष्टि:** हिमालय, पश्चिमी घाट और ओडिशा।
  - **स्वच्छ मीठे पानी (Freshwater Ecosystem)** को पसंद करता है।
- **आहार (Diet):**
  - **मांसाहारी (Carnivorous)।**
  - मुख्य रूप से मछलियाँ, उभयचर (Amphibians), क्रस्टेशियन (Crustaceans) और छोटे स्तनधारी खाता है।

यूरोएशियाई ऊदबिलाव का संरक्षण स्थिति

- **IUCN स्थिति:** नियर थ्रेटेंड (Near Threatened) के रूप में वर्गीकृत।
- **भारत में संरक्षण:**
  - **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972** के तहत **अनुसूची II (Schedule II)** में सूचीबद्ध।
- **संरक्षण प्रयास आवश्यक:** कश्मीर में इस प्रजाति के संरक्षण के लिए प्रयास महत्वपूर्ण हैं।
- **हालिया संकेत:** गुरेज़ घाटी (Gurez Valley) में हाल की sighting से संभावित पुनरुद्धार का संकेत, लेकिन आबादी अब भी संवेदनशील बनी हुई है।

यूरोएशियाई ऊदबिलाव की जनसंख्या में गिरावट के कारण

1. **आवासीय क्षति (Habitat Loss):** शहरीकरण (Urbanisation) और नदी प्रदूषण (River Pollution) से प्राकृतिक आवास नष्ट हो रहे हैं।
2. **शिकार (Poaching)**
   - **फर व्यापार (Fur Trade)** के लिए अवैध शिकार।
   - **मछुआरों के साथ संघर्ष:** के कारण मार दिए जाते हैं।
3. **कीटनाशकों से जल प्रदूषण (Pesticide Contamination):** मछलियों की आबादी प्रभावित, जिससे भोजन की उपलब्धता घट रही है।
4. **जलवायु परिवर्तन: मीठे पानी के स्रोतों पर प्रभाव**, जिससे ऊदबिलाव के अस्तित्व को खतरा बढ़ रहा है।

शहरी विकास के लिए बजट 2025 में पहल / Initiatives in Budget 2025 for Urban Development

संदर्भ:

केंद्रीय बजट **2025-26** में **'शहरों को विकास हब बनाने', 'रचनात्मक पुनर्विकास', 'जल और स्वच्छता'** तथा **समावेशी विकास** को बढ़ावा देने के लिए **₹1 लाख करोड़ के अर्बन चैलेंज फंड** की घोषणा की गई है।

- इस निधि से **शहरी बुनियादी** ढांचे को बढ़ावा मिलेगा, जिससे शहर **वैश्विक स्तर पर व्यवसायों** के लिए प्रतिस्पर्धी बनेंगे।

आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय: बजट 2025-26

बढ़ा आवंटन, लेकिन कम उपयोग:

- 2025-26 के लिए **₹96,777 करोड़ का बजट**, जो पिछले वर्ष से **17% अधिक** है।
- 2024-25 के संशोधित अनुमान (Revised Estimate) में केवल **₹63,669.93 करोड़ खर्च हुए**, जिससे **फंड के कम उपयोग (Underutilization)** का संकेत मिलता है।

शहरी चुनौती कोष और ग्रामीण पीएम आवास योजना पर फोकस:

- **₹1 लाख करोड़ का शहरी चुनौती कोष** प्रस्तावित, जिसमें 2025-26 के लिए ₹10,000 करोड़ आवंटित।
- शहरी और ग्रामीण पीएम आवास योजना (PMAY) को **₹78,126 करोड़** आवंटित।

शहरी श्रमिकों और स्ट्रीट वेंडर्स के लिए सहायता:

- **PM SVANidhi योजना** से अब तक **68 लाख स्ट्रीट वेंडर्स** को लाभ मिला।
- **योजना का पुनर्गठन:**
  - **बेहतर बैंक ऋण,**
  - **₹30,000 लिमिट के साथ UPI-लिंक्ड क्रेडिट कार्ड,**
  - **क्षमता निर्माण समर्थन (Capacity Building Support)** ताकि अनौपचारिक ऋणों पर निर्भरता कम हो।

शहरी विकास बजट में कटौती कैसे हुई?

1. **शहरी स्थानीय निकायों (ULBs) को प्रत्यक्ष हस्तांतरण में गिरावट:**
   - ऑक्ट्रोई समाप्ति और GST लागू होने से ULBs का राजस्व स्रोत घटा।
   - ULBs को मिलने वाला केंद्रीय फंड ₹26,653 करोड़ (पिछले वर्ष) से घटकर ₹26,158 करोड़ (2025-26) हुआ।
   - स्थानीय निकायों पर वित्तीय दबाव बढ़ा।
2. **केंद्र प्रायोजित योजनाओं (CSS) में कटौती:**
   - **PMAY (Urban):** ₹30,170.61 करोड़ → ₹13,670 करोड़ (2024-25 RE)
   - **AMRUT और स्मार्ट सिटी मिशन:** आवंटन **₹10,400 करोड़ से कम**, स्मार्ट सिटी मिशन के लिए **लगभग कोई नया फंड नहीं।**
   - **स्वच्छ भारत मिशन (शहरी):** ₹5,000 करोड़ आवंटित, लेकिन केवल ₹2,159 करोड़ खर्च (56% फंड का कम उपयोग)।

मेट्रो परियोजनाओं को प्राथमिकता:

- **2024-25 (RE):** ₹21,335.98 करोड़ → ₹24,691.47 करोड़
- **2025-26 प्रस्तावित:** ₹31,239.28 करोड़ (46% वृद्धि)
- **शहरी गतिशीलता, रोजगार सृजन और स्थानीय शासन के बजाय बड़े बुनियादी ढांचे (मेट्रो) को अधिक प्राथमिकता दी गई।**

प्रस्तावित पहलों के लाभ:

- **झुग्गी क्षेत्रों में कमी (Reducing Slums)**
- **सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा (Promoting Social Security)**
- **बेहतर शहरी नियोजन (Better Planning)**

लिंग-निर्धारण क्षेत्र- Y / Sex-Determining region Y (SRY Gene)

संदर्भ:

इटली और अमेरिका में हालिया अध्ययन में **कुछ जैविक महिलाओं में SRY जीन** पाया गया है, जो पारंपरिक **लिंग निर्धारण की वैज्ञानिक समझ** को चुनौती देता है। यह दुर्लभ मामला शोधकर्ताओं के लिए एक नई खोज का विषय बन गया है।

SRY जीन (Sex-determining Region Y):

- **स्थिति:** Y क्रोमोसोम पर पाया जाता है।
- **कार्य:**
  - **SRY जीन की उपस्थिति** → भ्रूण पुरुष लक्षण विकसित करता है।
  - **SRY जीन की अनुपस्थिति या उत्परिवर्तन** → भ्रूण महिला लक्षण विकसित करता है।
- **SRY जीन द्वारा उत्पादित प्रोटीन:**
  - DNA से जुड़कर अन्य जीन की गतिविधि नियंत्रित करता है।
  - भ्रूण में पुरुष जनन ग्रंथियों (अंडकोष) के विकास को शुरू करता है।
  - महिला प्रजनन संरचनाओं के विकास को रोकता है।

SRY जीन और लिंग निर्धारण:

सामान्य प्रक्रिया:

- **SRY जीन मौजूद और सक्रिय हो** → भ्रूण पुरुष (Male) विकसित होता।
- **SRY जीन अनुपस्थित हो** → भ्रूण महिला (Female) विकसित होता।

दुर्लभ अपवाद (Rare Exceptions):

1. **SRY जीन का स्थानांतरण (Translocation)** → Y से X क्रोमोसोम पर
   - यह उत्परिवर्तन (Mutation) से हो सकता है।
2. **SRY-पॉजिटिव पुरुष (XX Male Syndrome):**
   - SRY वाला X क्रोमोसोम होने पर व्यक्ति पुरुष के रूप में विकसित होता।
   - हालांकि, वे प्रजनन (Sterile) में असमर्थ होते हैं।
3. **SRY-पॉजिटिव महिला (XX Female Syndrome):**
   - कभी-कभी SRY जीन वाली महिलाएँ सामान्य रूप से विकसित हो सकती हैं।
   - यह तब संभव होता है जब X क्रोमोसोम निष्क्रिय (X-Inactivation) हो जाता है और SRY जीन कार्य नहीं कर पाता।

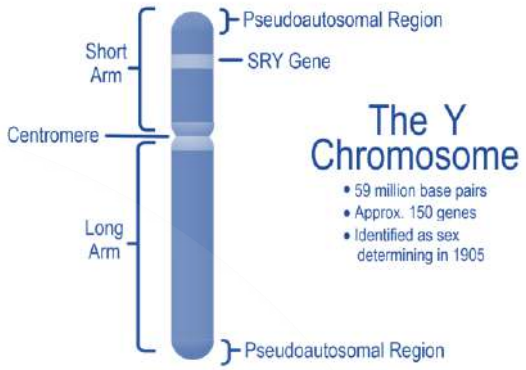

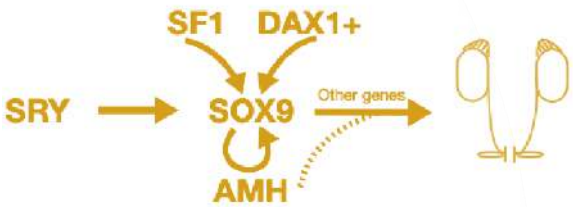

असामान्य लिंग विकास:

SRY जीन स्थानांतरण (Translocation):

- Y क्रोमोसोम से X क्रोमोसोम पर SRY जीन का स्थानांतरण दुर्लभ मामलों में होता है।
- यदि **SRY जीन वाला X क्रोमोसोम** बच्चे को विरासत में मिलता है, तो **दो X क्रोमोसोम होने के बावजूद बच्चा पुरुष विशेषताएँ विकसित कर सकता है** लेकिन **प्रजनन करने में असमर्थ होगा।**

SRY-पॉजिटिव महिला (XX Female with SRY):

- कुछ दुर्लभ मामलों में, दो X क्रोमोसोम और SRY जीन होने के बावजूद व्यक्ति महिला के रूप में विकसित हो सकता है।

X क्रोमोसोम निष्क्रियता:

- यदि किसी महिला के X क्रोमोसोम में **SRY जीन मौजूद है, तो वह X क्रोमोसोम निष्क्रिय हो सकता है।**
- ऐसा इसलिए होता है क्योंकि SRY वाला X क्रोमोसोम अन्य आवश्यक जीनों से वंचित हो सकता है।
- इस निष्क्रियता से विकास संबंधी समस्याओं को रोका जाता है।

वामपंथी उग्रवाद / Left-Wing Extremism (LWE)

संदर्भ:

केंद्रीय गृह मंत्री **अमित शाह** ने सरकार के **31 मार्च 2026 तक वामपंथी उग्रवाद (LWE) समाप्त करने** के लक्ष्य को दोहराया। यह बयान **छत्तीसगढ़ के बीजापुर** में **31 माओवादियों के मारे जाने** के बाद आया है।

वामपंथी उग्रवाद (Left-Wing Extremism - LWE) in India:

- **आंतरिक सुरक्षा चुनौतियाँ:**
  - भारत **तीन प्रमुख आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों** का सामना कर रहा है:
    1. कश्मीर में आतंकवाद और प्रॉक्सी वॉर।
    2. उत्तर-पूर्व में उप-राष्ट्रीय अलगाववादी आंदोलन।
    3. लाल गलियारे (Red Corridor) में नक्सल-माओवादी उग्रवाद।
- **LWE/ Naxalism की उत्पत्ति:**
  - **1967** में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी में एक किसान विद्रोह से शुरू हुआ।
  - भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) [CPI(M)] से जुड़े कुछ समूहों द्वारा प्रेरित।
- **वैचारिक आधार:**
  - यह विचारधारा **चीनी नेता माओ जेडॉन्ग के सिद्धांतों से प्रेरित है।**
  - नक्सली मानते हैं कि सामाजिक और आर्थिक असमानता का हल मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था को उखाड़ फेंकना है।

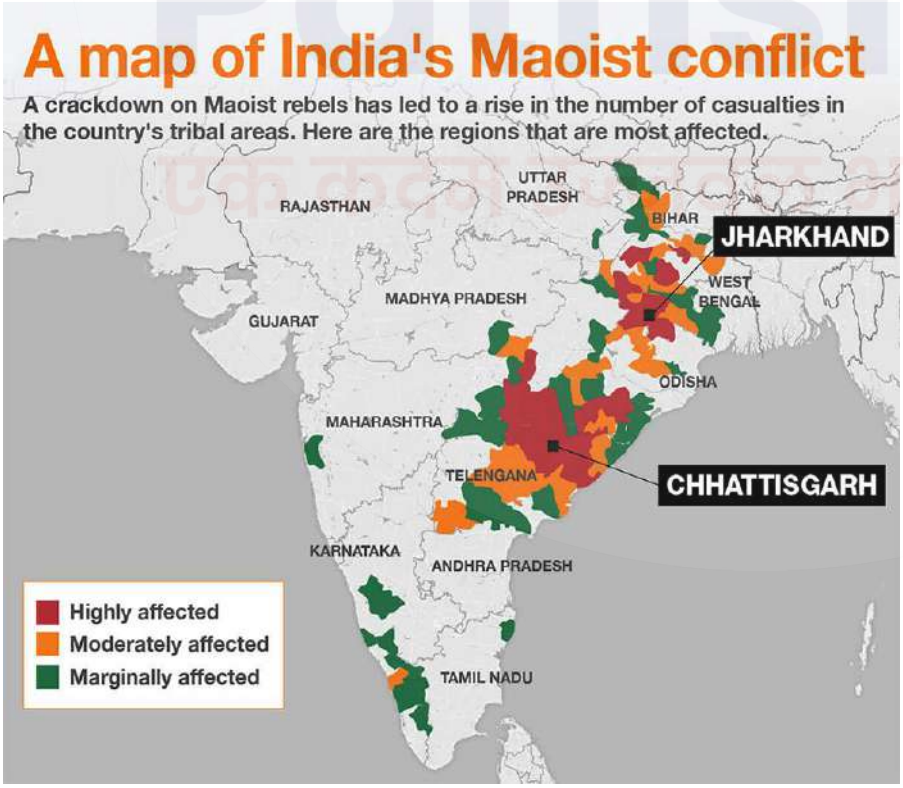

वामपंथी उग्रवाद (LWE) से निपटने के लिए उठाए गए कदम

1. नीतिगत उपाय (Policy Measures):

- "राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना" (National Policy and Action Plan) को 2015 में मंजूरी दी गई।
- 2017 में 'SAMADHAN' ऑपरेशनल डॉक्ट्रिन लागू किया गया (LWE से निपटने के लिए एक व्यापक रणनीति)।

2. सुरक्षा संबंधी उपाय (Security Measures):

- विशेष बुनियादी ढांचा योजना (SIS) के तहत पुलिस स्टेशनों का सुदृढ़ीकरण।
- LWE-प्रभावित राज्यों में सुरक्षा खर्च ₹3,000 करोड़ तक बढ़ा।
- हमलावर रणनीति (Offensive Strategy):
  - **ऑपरेशन ग्रीन हंट**
  - **ऑपरेशन ऑक्टोपस**
  - **ऑपरेशन डबल बुल**
  - **ऑपरेशन चक्रबंधा**

वामपंथी उग्रवाद (LWE) से निपटने के लिए विकासात्मक उपाय:

1. बुनियादी ढांचा (Infrastructure): पिछले 10 वर्षों में **14,000 किमी से अधिक सड़कें** बनाई गईं।

2. शिक्षा (Education):

- **216 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (EMRS)** स्थापित करने की मंजूरी।

3. आकांक्षी जिला कार्यक्रम (Aspirational District Programme):

- गृह मंत्रालय (MHA) को 35 LWE-प्रभावित जिलों में इस कार्यक्रम की निगरानी सौंपी गई।

4. आत्मसमर्पण करने वाले उग्रवादियों के लिए पुनर्वास योजना (Rehabilitation for Surrendered Extremists):

- कानूनी सहायता, रोजगार के अवसर, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

कुक आइलैंड्स / Cook Islands

संदर्भ:

न्यूज़ीलैंड ने **कुक आइलैंड्स द्वारा चीन के साथ रणनीतिक साझेदारी समझौते** पर हस्ताक्षर करने की योजना को लेकर **गंभीर चिंता** व्यक्त की है। न्यूज़ीलैंड ने कहा कि इस फैसले से पहले **कोई पूर्व परामर्श नहीं किया गया**, जिससे क्षेत्र में **भू-राजनीतिक तनाव** बढ़ सकता है।

कुक आइलैंड्स (Cook Islands):

1. राजनीतिक स्थिति (Political Status):

- **स्व-शासित राष्ट्र,** जो न्यूज़ीलैंड के साथ स्वतंत्र संघ (Free Association) में है।
- 1901 से 1965 तक न्यूज़ीलैंड का आश्रित उपनिवेश रहा।

2. भौगोलिक स्थिति (Geography):

- **स्थान:**
  - ओशिनिया के पोलिनेशिया क्षेत्र में, दक्षिणी प्रशांत महासागर में स्थित।
  - न्यूज़ीलैंड के उत्तर-पूर्व में, अमेरिकन समोआ और फ्रेंच पोलिनेशिया के बीच।

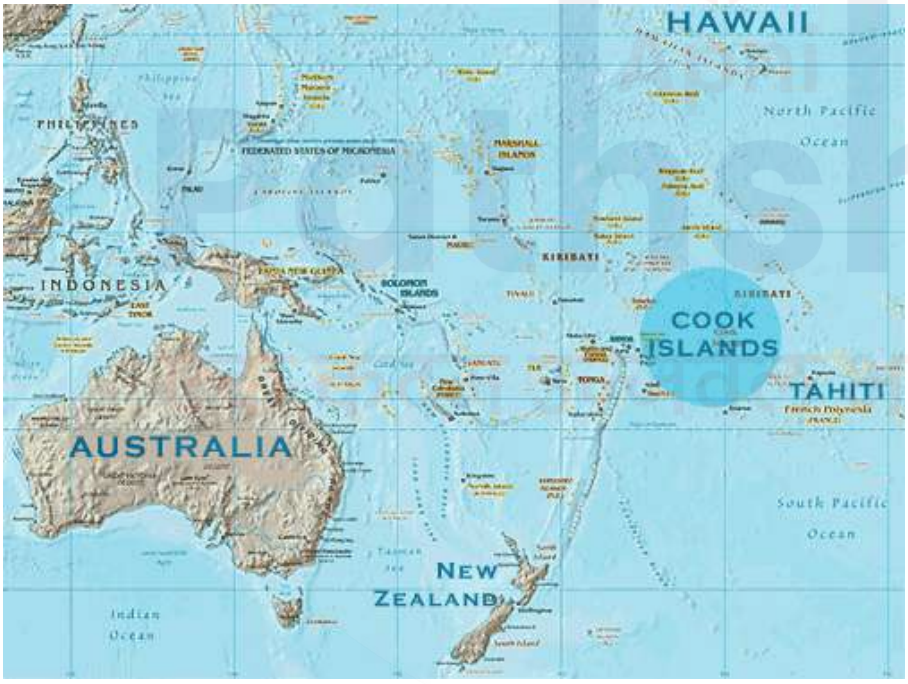

- **संरचना:**
  - **15 द्वीपों का समूह**, कुल भूमि क्षेत्रफल **236.7 वर्ग किलोमीटर।**
  - **ज्वालामुखीय गतिविधि** से बने द्वीप।
- **प्रशासनिक केंद्र:** रारोटोंगा द्वीप पर स्थित आवारुआ (Avarua)।

कुक आइलैंड्स: भौगोलिक विशेषताएँ:

1. उच्चतम बिंदु (Highest Point)

- ते मंगा (Te Manga), रारोटोंगा द्वीप पर स्थित, 652 मीटर ऊँचा है।

2. जनसंख्या (Population)

- अधिकांश आबादी **रारोटोंगा द्वीप** पर रहती है, जो **प्रशासनिक और आर्थिक केंद्र** भी है।

3. राजधानी (Capital City)

- **आवारुआ (Avarua), रारोटोंगा द्वीप पर स्थित है।**
- यह पारंपरिक पोलिनेशियाई संस्कृति और आधुनिक सुविधाओं का मिश्रण है।

4. ज्वालामुखीय द्वीप (Volcanic Islands)

- कुक आइलैंड्स के **दक्षिणी द्वीप ज्वालामुखीय उत्पत्ति के हैं।**
- समुद्र के नीचे **ज्वालामुखी विस्फोटों** से बने, जिनके कारण नया भूभाग समुद्र के ऊपर उभरा।
- ये द्वीप **घने वनस्पति, उपजाऊ मिट्टी और ऊबड़-खाबड़** परिदृश्य के लिए जाने जाते हैं।

5. ज्वालामुखीय द्वीपों का महत्व:

- **विविध वनस्पति और जीव-जंतुओं** के लिए महत्वपूर्ण आवास प्रदान करते हैं।
- **कोरल रीफ्स के निर्माण में योगदान**, जो समुद्री जैव विविधता को बढ़ावा देते हैं और **तटों को कटाव से बचाते हैं।**

न्यूज़ीलैंड से समर्थन (Support from New Zealand):

- **वित्तीय सहायता (Financial Aid):** न्यूज़ीलैंड कुक आइलैंड्स को आर्थिक सहयोग प्रदान करता है।
- **रक्षा सहायता (Defense Help):** जरूरत पड़ने पर न्यूज़ीलैंड कुक आइलैंड्स की सुरक्षा में मदद करता है।
- **विदेशी मामलों का प्रबंधन (Foreign Affairs):** कुक आइलैंड्स की अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में न्यूज़ीलैंड की भूमिका रहती है।
- यह **उनकी दीर्घकालिक साझेदारी को मजबूत करता है।**

ट्रम्प की गाजा पर कब्ज़ा करने की योजना / Trump plans to occupy Gaza

संदर्भ:

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक योजना प्रस्तावित की है, जिसके तहत **संयुक्त राज्य अमेरिका गाजा पट्टी का नियंत्रण** अपने हाथ में लेगा और वहां के **फिलिस्तीनी निवासियों को** अस्थायी रूप से पड़ोसी देशों में स्थानांतरित करेगा।

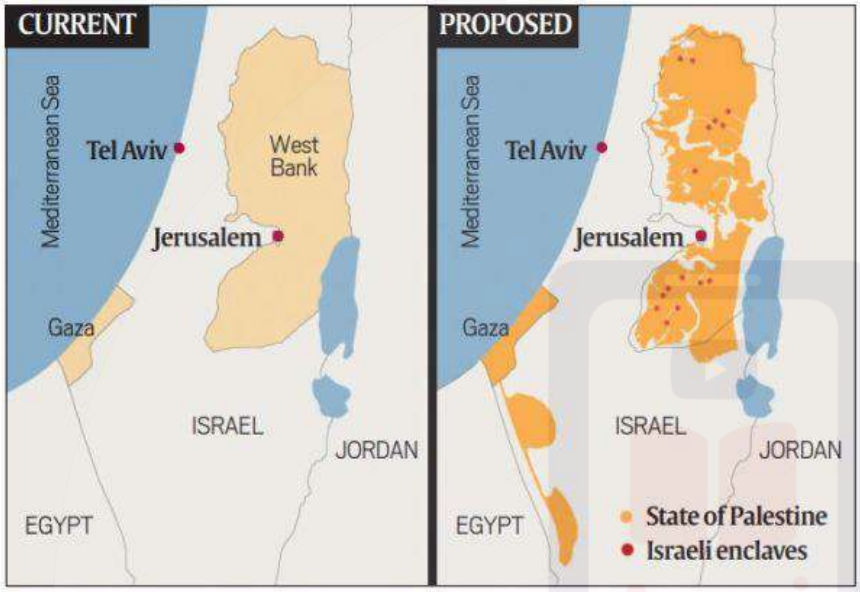

गाज़ा पट्टी: एक संक्षिप्त परिचय-

1. भौगोलिक स्थिति (Geographical Location):

- पूर्वी भूमध्यसागर (Eastern Mediterranean Sea) के किनारे स्थित एक तटीय क्षेत्र।
- **सीमाएँ:**
  - उत्तर और पूर्व में इज़राइल।
  - दक्षिण-पश्चिम में मिस्र (रफ़ा क्रॉसिंग पर)।
  - जॉर्डन से कोई सीमा साझा नहीं करता।

2. राजनीतिक स्थिति (Political Status):

- **दो प्रमुख फिलिस्तीनी क्षेत्रों में से एक** (दूसरा वेस्ट बैंक)।
- **2007 से हमास के नियंत्रण में**, जब उसने फिलिस्तीनी अथॉरिटी (PA) के साथ संघर्ष के बाद सत्ता हासिल की।
- **इज़राइल और मिस्र** ने तब से इस क्षेत्र पर नाकाबंदी (Blockade) लागू कर रखी है।

3. ऐतिहासिक संदर्भ (Historical Context):

- **1948-1967:** अरब-इज़राइल युद्ध के बाद **मिस्र के नियंत्रण में रहा।**
- **1967:** छह-दिवसीय युद्ध (Six-Day War) में **इज़राइल ने क जा कर लिया।**
- **1993-1995:** ओस्लो समझौतों (Oslo Accords) के तहत **फिलिस्तीनी अथॉरिटी को आंशिक नियंत्रण दिया गया।**
- **2005:** इज़राइल ने अपने **यहूदी बस्तियों को हटा लिया**, लेकिन अब भी **हवाई क्षेत्र और समुद्री पहुंच को नियंत्रित करता है।**

संभावित प्रभाव:

क्षेत्रीय तनाव में वृद्धि:

- यह कदम **इज़राइल-फिलिस्तीन संघर्ष** को और बढ़ा सकता है।
- अरब देशों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की **नकारात्मक प्रतिक्रिया** आने की संभावना।

अमेरिका-इज़राइल संबंधों को मजबूती:

- यह प्रस्ताव **इज़राइल की सुरक्षा चिंताओं के अनुकूल है।**
- इससे **इज़राइल गाज़ा की अस्थिरता** से खुद को अलग रख सकेगा।

आर्थिक स्थिरता की अनिश्चितता:

- योजना **गाज़ा को आर्थिक रूप से स्थिर करने का दावा करती है**, लेकिन
- क्षेत्र की राजनीतिक जटिलताओं के कारण यह शांति ला सकती है या और **अशांति** फैला सकती है।

फिलिस्तीनी संप्रभुता का उल्लंघन:

- गाज़ा को फिलिस्तीनी क्षेत्र के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- अमेरिकी नियंत्रण से **फिलिस्तीनी आत्म-शासन** पर खतरा बढ़ सकता है, जिससे **सीमावर्ती विवाद** भड़क सकते हैं।

जातीय विस्थापन की आशंका:

- फिलिस्तीनियों को गाज़ा से बाहर करने की योजना को "जातीय सफाया" माना जा सकता है।
- इससे आत्मनिर्णय के अधिकार का उल्लंघन होगा और विरोध आंदोलन भड़क सकते हैं।

रणनीतिक महत्व:

- **घनी आबादी और शहरीकरण:** लगभग 2 मिलियन लोग मात्र 365 वर्ग किलोमीटर में बसे हुए हैं।
- **इज़राइल-फिलिस्तीन संघर्ष का केंद्र:** यह क्षेत्र लगातार संघर्ष और झड़पों का गढ़ बना हुआ है।
- **आर्थिक नाकाबंदी का प्रभाव:** व्यापार, रोजगार और मानवीय परिस्थितियों पर गंभीर असर पड़ता है।

पेरिस एआई शिखर सम्मेलन, 2025 / Paris AI Summit, 2025

संदर्भ:

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिवसीय दौरे पर फ्रांस गए है, जहां वह **फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ एआई एक्शन समिट की सह-अध्यक्षता करेंगे** और उनके साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे।

पेरिस में एआई एक्शन समिट:

- **तारीख:** 10-11 फरवरी 2025
- **आयोजन स्थल:** पेरिस, फ्रांस
- **भारत और फ्रांस संयुक्त अध्यक्षता ।**
- **पिछले शिखर सम्मेलन:**
  - यूके (2023)
  - दक्षिण कोरिया (2024)
- **मुख्य विषय:**
  - एआई सुरक्षा (AI Safety)
  - नवाचार (Innovation)
  - शासन व्यवस्था (Governance)
  - भविष्य के कार्य पर प्रभाव (Future of Work)

एआई शासन में भारत का बढ़ता प्रभाव:

वैश्विक एआई चर्चाओं में सक्रिय भागीदारी:

- **ब्लेचली पार्क बैठक (2023):** भारत ने फ्रंटियर एआई मॉडल और सुरक्षा चिंताओं पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- **सियोल समिट (2024): बहुपक्षीय सहयोग और एआई जोखिम** प्रबंधन पर भारत ने योगदान दिया।
- **भारत का एआई सुरक्षा संस्थान (AI Safety Institute):** वैश्विक प्रयासों के अनुरूप एआई सुरक्षा और शासन को मजबूत करने की प्रतिबद्धता।
- **ग्लोबल साउथ के लिए समर्थन:** एआई अवसंरचना (Infrastructure) तक समान पहुंच की वकालत।
- **G20 अध्यक्षता (2023):** "प्रो-इनोवेशन नियामक दृष्टिकोण" को बढ़ावा दिया, जो नवाचार और सुरक्षा के बीच संतुलन स्थापित करता है।
- **GPAI बैठक (दिसंबर 2023):** एआई अनुसंधान और नवाचार संसाधनों तक समान पहुंच के महत्व को रेखांकित किया।
- **वैश्विक एआई नीति निर्माण में भारत की भूमिका सुनिश्चित करने की महत्वाकांक्षा।**

पेरिस समिट में भारत का फोकस:

एआई संसाधनों की समान पहुंच:

- **एआई कंप्यूटिंग पावर:**
  - भारत का 18,600-GPU सुविधा (40% सरकारी वित्त पोषण) एक उदाहरण।
- डेटा स्टोरेज, क्लाउड कंप्यूटिंग और ओपन-सोर्स एआई मॉडल (जैसे DeepSeek) को बढ़ावा।
- एआई तकनीकों के वैश्विक हस्तांतरण को सुरक्षित नियमों के साथ आसान बनाना।

स्थानीय आवश्यकताओं के लिए एआई का विकास:

- **वैश्विक दक्षिण (Global South) की वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए एआई:**
  - स्थानीय स्वास्थ्य सेवा में प्रारंभिक रोग पहचान।
  - वैयक्तिकृत शिक्षा मंच
  - कृषि सुधार के लिए एआई उपकरण।
- एआई उपयोग मामलों (Use Cases) का एक भंडार भविष्य की परियोजनाओं का मार्गदर्शन कर सकता है।

वैश्विक दक्षिण के लिए एआई जोखिम प्रबंधन:

- एआई जोखिम मूल्यांकन को वास्तविक-world प्रभावों पर आधारित करना ।
- पश्चिमी डेटा पर प्रशिक्षित एआई मॉडल से उत्पन्न सांस्कृतिक जोखिमों को उजागर करना।
- एआई से जुड़े खतरों का एक वैश्विक डेटाबेस बनाने का प्रस्ताव, ताकि भविष्य की सुरक्षा नीतियों को आकार दिया जा सके।

पेरिस एआई समिट का महत्व:

- **यूरोपीय एआई रणनीति:** अमेरिकी टेक कंपनियों और चीन के एआई प्रभुत्व को टक्कर देने के लिए महत्वपूर्ण।
- **एआई अवसंरचना में निवेश:** $500 बिलियन अमेरिकी स्टारगेट प्रोजेक्ट जैसे बड़े एआई निवेशों पर चर्चा।
- **एआई सुलभता और नैतिकता:** किफायती एआई मॉडल विकसित करना और एआई विकास लागत को कम करना।
- **भारत की भूमिका:** पीएम मोदी की सह-अध्यक्षता भारत की वैश्विक एआई नीति और डिजिटल शासन में बढ़ती भूमिका को दर्शाती है।

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"

SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL

ANKIT AVASTHI

Video will be upload soon !

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per
Year
Buy Now

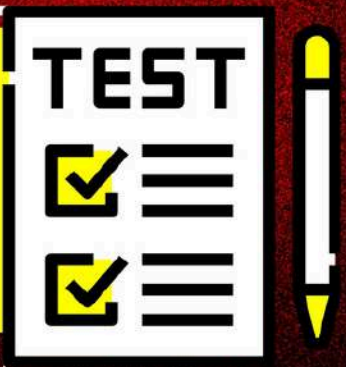

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

APNI PATHSHALA

UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

RO/ARO
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

BPSC
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

SSC (TEST SERIES)
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

RPF (TEST SERIES)
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

NCERT COMPLETE

FOUNDATION BATCH

FOR ALL

- POLITY
- ECONOMICS
- HISTORY
- GEOGRAPHY

- DAILY LIVE CLASSES
- , WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTISE PROBLEM

Rs 4999/-

Apni Pathshala 7878158882 Apni.Pathshala kaankit AnkitAvasthiSir Avasthiankit

ONLY
POLITY
1499
RS
DAILY LIVE CLASSES
, WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTISE PROBLEM
Apni Pathshala
7878158882
Apni.Pathshala
kaankit
AnkitAvasthiSir
Avasthiankit

SSC TEST SERIES

CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,

Stenographer (Grades C & D)

Only at

99/-Year

Enroll Now !